डीएएस के कार्यान्वयन के लिए 1 अगस्त, 2012 को आयोजित कार्य बल की १४वीं बैठक का कार्यवृत्त

अपर सचिव की अध्यक्षता में 31.10.2012 तक चार महानगरों में केबल टेलीविजन नेटवर्क के लिए डीएएस के कार्यान्वय के लिए कार्यबल की 14वीं बैठक 01.08.2012 को आयोजित की गई थी।

सदस्यों का स्वागत करने के पश्चात् अपर सचिव ने कार्यबल की पिछली बैठक से की गई प्रगति पर जेएस(बी) को प्रस्तुतिकरण करने के लिए कहा। जेएस(बी) द्वारा प्रस्तुतीकरण की मुख्य-मुख्य बातें निम्नानुसार हैं :

1) एसटीबी लगाने की गतिविधि में तेजी आयी है, अब तक 4 महानगरों में लगभग 42 लाख एसटीबी संस्थापित किए गए हैं। साप्ताहिक रूप से एसटीबी लगाने की गति में भी वृद्धि हुई है और 27/07/2012 को समाप्त सप्ताह के दौरान लगभग पचास हजार एसटीबी संस्थापित किए गए थे।

2) 2 एमएसओ से राष्ट्रीय स्तर के एमएसओ के संबंध में प्रचालन के क्षेत्र के ब्यौरे प्राप्त हुए है उनमें आपरेटरों को नियोजित किया गया है।

3) 4 स्वतंत्र एमएसओ से, जिन्हें कारण बाताओ नोटिस जारी किए गए थे, ब्यौरे प्राप्त किए गए हैं।

4) स्वतंत्र एमएसओ, जिनमें डाटा की प्रतीक्षा की जा रही है, को कारण बताओ नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

5) 500 चैनल वहन करने की हैड एंड क्षमता के बारे में एमएसओ से डाटा मांगा गया था। अब तक 15 डाटा प्राप्त हुए हैं।

6) 23/07/2012 को 5 प्रमुख एग्रिगेटरों के साथ मंत्रालय में बैठक आयोजित की गई थी। यह बैठक अंत:संयोजित करार के हस्ताक्षर की दिशा में हुई प्रगति का जायजा लेने के

लिए आयोजित की गई थी। बैठक में यह मालूम हुआ कि करार राजस्व साझा करने के मॉडल के संबंध में प्रसारकों और एमएसओ के बीच दृष्टिकोण में अंतर होने के कारण हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं। यह सूचित किया गया जबकि एमएसओ वर्तमान व्यवस्था के लिए जोर दे रहे थे, फिर भी एग्रिगेटर प्रति अभिदान लागत के आधार पर साझा करना चाहते थे।

7) एमएसओ को आनलाइन डाटा अपलोड करने में समर्थ बनाने के लिए बीईआईएल द्वारा एक आनलाइन साफ्टवेयर विकसित किया गया है ताकि सुविधा और पूर्ण पारदर्शिता के मामले को डाला जा सके।

8) सार्वजनिक जागरूकता पर उप-समूह में हुई चर्चा के आधार पर यह प्रस्ताव किया गया कि स्क्रीन को खाली करके दिए गए समय में पूर्ण समन्वित और एक ही समय में निजी टीवी चैनलों द्वारा विज्ञापन के माध्यम से संदेश प्रसारित किया जाए, परन्तु ऐसा इस संदेश के प्रसार के लिए किसी प्रसिद्ध व्यक्ति को लेकर डिजिटाइजेशन के बारे में उपयुक्त ढंग से जनता को सूचित करने के लिए प्रसारण को भंग/वियोजित किए बिना किया जाए। उद्योग इस प्रयोजन के लिए प्रसिद्ध व्यक्ति को लेने के लिए कार्रवाई करेगा।

9) टीवी स्पाट तैयार किए जा रहे हैं।

10) 33 एमएसओ को पहले ही पंजीकृत किया जा चुका है।

इसके पश्चात् अवर सचिव ने अंत: संयोजन करार को शीघ्र अंतिम रूप देने की जरूरत पर बल दिया ताकि चैनलों के मूल्य या अभिदान के संबंध में तस्वीर साफ हो जाए और वे निर्णय ले सकें। एएस ने कहा कि प्रसारकों और एमएसओ के लिए यह सदैव लाभदायक है कि बातचीत से समझौता करें, यह उनके पारस्परिक लाभदायक हित पर आधारित माडल को दर्शाएगा। वे चाहते थे कि यदि ऐसी बातचीत का निष्कर्ष नहीं निकलता, जो 31.07.2012 तक समाप्त की जानी थी, तो टीआरएआई द्वारा यथा अधिदेशित मानक करार शुरू हो जाएगा जो

हितधारक के वांछित हित को नहीं दर्शाएगा, और यह हितधारकों के हित में है कि करारों को निष्पन्न करें।

इसलिए एमएसओ सहयोग के प्रतिनिधि ने सूचित किया कि टीआरएआई ने पहले ही सभी हितधारकों के साथ बैठक की है ताकि अंत:संयोजन करार के मुद्दों का समाधान हो। उन्होंने बताया कि सभी एमएसओ प्रसारकों के साथ गंभीर चर्चा कर रहे हैं और अगले 14 दिनों में करार को अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि आईबीएफ और एनबीए को शीघ्र किसी ढंग से जनता की जागरूकता का अभियान पुन: शुरू करना चाहिए।

एमएसओ सहयोग के प्रतिनिधि ने यह भी बताया कि एसटीबी की काफी माल सूचियां उनके गोदाम में पड़ी हैं और एलसीओ पर एसटीबी लेने के लिए दबाव डाला जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि वे एलसीओ को बेहतर शर्तें प्रस्तुत करने का प्रयास करेंगे।

आईबीएफ के प्रतिनिधियों ने भी विश्वास व्यक्त किया कि अंत:संयोजन करार पर अगले 14 दिनों में हस्ताक्षर हो जाएंगे।

उपभोक्ता मंच के प्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि उपभोक्ताओं के लाभ के लिए एसटीबी के एकीकृत मूल्य की घोषणा की जानी चाहिए। एमएसओ सहयोग के प्रतिनिधि ने कहा कि उन्हें मुद्दे की समझ है और उपयुक्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक अध्यक्ष को धन्यवाद के साथ समाप्त हो गई।